Literacy for a Billion

Movie: Aman
Year: 1967

Song: Aaj Ki Raat
Lyricist: Shailendra

आज की रात
ये कैसी रात
के हमको नींद नहीं आती
मेरी जाँ आओ
बैठो पास के हमको नींद नहीं आती

आज की रात
ये कैसी रात
के हमको नींद नहीं आती
मेरी जाँ आओ
बैठो पास के हमको नींद नहीं आती

आज की रात

हे ये आज तुम्हे क्या हो गया है
उफ तो अपने दिल को समझाओ न

मचल उठा ये दिल नादाँ
बड़ा जिददी बड़ी मुश्किल
मचल उठा ये दिल नादाँ
बड़ा जिददी बड़ी मुश्किल
खुदा को भी मना लूँ मैं
मगर माने ना रूठा दिल
तुम्हीं देखो करो कोई बात
के हमको नींद नहीं आती
मेरी जाँ आओ
बैठो पास के हमको नींद नहीं आती

आज की रात

अँधेरा है तो रहने दो
मुजस्सिम चाँदनी हो तुम
अँधेरा है तो रहने दो
मुजस्सिम चाँदनी हो तुम

लजाए रौशनी तुमसे
के ऐसी रौशनी हो तुम
न सीने से हटाओ हाथ
के हमको नींद नहीं आती
मेरी जाँ आओ
बैठो पास के हमको नींद नहीं आती

आज की रात

मिले हो दिल
छिड़ा हो जब कोई रंगीन अफसाना
मिले हों दिल
छिड़ा हो जब कोई रंगीन अफसाना
सुलाने मौत भी आए
तो मैं कह दूँगा फिर आना
अभी तो तुम हो मेरे साथ
के हमको नींद नहीं आती

आज की रात

ये कैसी रात
के हमको नींद नहीं आती
मेरी जाँ आओ
बैठो पास के हमको नींद नहीं आती

ये कैसी रात
के हमको नींद नहीं आती

मेरी जाँ आओ
बैठो पास के हमको नींद नहीं आती

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.